कृषि विज्ञान केंद्र - भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्ज़तनगर द्वारा डेयरी उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्ज़तनगर द्वारा " डेयरी उद्यमिता विकास" विषय पर 19 से 22 सितंबर 2022 तक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. बी पी सिंह, के व्याखान से आरंभ किया गया जिसमें उन्होने अधिक आमदनी अर्जित करने के लिए कृषको को डेयरी व्यवसाय से प्राप्त उत्पादों के मूल्य संवर्धन की बात कही और शहर एवं गाँव मे चारे की उपलब्धता मे सुधार हेतु चारा बैंक की शुरुआत कर उद्यमिता विकास करने पर बल दिया।

चार दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेयरी उद्यमिता की उपयोगिता, गाय एवं प्रमुख भैंस की नस्लें एवं वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास प्रबंधन, अच्छे दुधारू पशुओं का चुनाव, प्रजनन , पोषण प्रबंधन, रखरखाव, संस्थान द्वारा दुधारू पशु आहार प्रौद्योगिकी, वर्ष भर हरा चारा उत्पादन कैसे करें, गाय एवं भैंसों के प्रमुख रोगो का नियंत्रण एवं रोकथाम, आंतरिक एवं बाह्य परजीवी प्रबंधन, प्रजनन संबंधी समस्या तथा निदान, डेयरी फार्म का दैनिक प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन एवं प्रसंस्करण, डेयरी फार्म पर रखे जाने वाले रिकॉर्ड, डेयरी फार्म का आर्थिक मूल्यांकन तथा गाय एवं भैंस पालन प्रोत्साहन हेतु सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम मे कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ तथा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपने व्याख्यान द्वारा जानकारी प्रदान की और कृषको के साथ उनकी पशु पालन से सम्बंधित समस्याओ पर

चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान युवाओ को कृषि विज्ञान केंद्र के प्रदर्शन फॉर्म पर मत्स्य सह डेरी, मत्स्य सह बकरी, मत्स्य सह बतख, मत्स्य सह मुर्गी एवं केंचुआ खाद प्रदर्शन इकाई आदि पर भी भ्रमण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में आये सभी युवाओं को कृषि विज्ञान केंद्र में लगे प्राकृतिक खेती के प्रदर्शन को भी दिखाया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में सस्थान के संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ. महेश चंद्र, ने अपने संबोधन में कृषको को डेरी व्यवसाय में नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया और उदाहरण देकर बताया की डेयरी उद्यमिता महिला सशक्तिकरण का जरिया साबित हुआ है।

उन्होंने बताया की पशुपालन से संबंधित जानकारी के लिए कृषक बंधु कृषि विज्ञान, बरेली द्वारा चलाए जा रहे यूट्यूब चैनल, फेसबुक एवं के.वी.के. पोर्टल से भी जुड़ सकते हैं। उन्होंने आगे भी कृषि एवं पशुपालन से संबंधित नवीनतम जानकारियों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहने की सलाह दी। तत्पश्चात प्रशिक्षण प्रतिक्रिया/फीडबैक प्राप्त कर सभी प्रतिभागियो को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बधाई दी और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर इच्छुक कृषको को चारा उत्पादन मे सहयोग हेतु बाजरा संकर नेपिय की सी. ओ- 5 किस्म के 500 कटिंग भी निशुल्क उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का पूर्व एवं पश्चात मूलयांकन भी किया गया। इस प्रशिक्षण में

उत्तर प्रदेश के सात जनपद बरेली, पीलीभीत, कासगंज, गोरखपुर, जनपद से आए चार महिलाओ सहित कुल 30 कृषको ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।